LATEST

NEWS

Election

Date: 15th July 2026

Office of Chief Electoral Officer Rajasthan

https:/election.rajasthan.gov.in/

Follow us on:

CEORAJASTHAN

हेल्पलाइन 1950

दैनिक भास्कर

जयपुर सिटी भास्कर 16-07-2026

TALK SHOW

कॉन्फ्रेंस में किया चुनावी सुधारों पर मंथन; पोस्ट इलेक्शन ऑडिट, फेक न्यूज से निपटने पर जोर दिया

हर स्कूल में बनेगा ELC... देश के 1000 स्टूडेंट होंगे सम्मानित : आशीष गोयल

डॉ. रेणु पूनिया, टीना डाबी, डॉ. मनीष जैन और आस्था सक्सेना

सिटी रिपोर्टर •इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में चुनाव आयोग के लिए वोटर एजुकेशन और चुनावी कम्युनिकेशन के तरीके बदलना जरूरी हो गया है। युवाओं तक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए पहुंच बढ़ाने, फेक न्यूज पर रोक लगाने और चुनावी प्रक्रिया में भरोसा मजबूत करने जैसे मुद्दों पर बुधवार को एचसीएम-रीपा में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन में मंथन हुआ। इसमें भारत समेत सात देशों के इलेक्शन एक्सपर्ट्स, मीडिया प्रोफेशनल्स और शिक्षाविद शामिल हुए।

•इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल (मीडिया) आशीष गोयल बोले- देश के हर स्कूल में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ELC) शुरू किया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर 1000 बेहतरीन स्टूडेंट्स को भी सम्मानित किया जाएगा।

•मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन बोले- जागरूक वोटर लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। डिजिटल दौर में चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा बढ़ाने और मिसइन्फॉर्मेशन से निपटने के लिए मीडिया और निर्वाचन संस्थाओं के बीच बेहतर कोऑर्डिनेशन जरूरी है।

चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा बढ़े, इसमें मीडिया सबसे अहम : नवीन महाजन

मॉडरेटर डॉ. प्रशांत भादू, एलपी पंत, पवन अरोड़ा और भानू प्रताप सिंह

पोस्ट इलेक्शन ऑडिट और डिजिटल आउटरीच की जरूरत

'बियॉन्ड ब्रॉडकास्टिंग : द इवॉल्विंग रोल ऑफ मीडिया इन वोटर एजुकेशन' विषय पर हुए पैनल में दैनिक भास्कर के नेशनल एडिटर एलपी पंत ने कहा कि पिछले 50 साल में मीडिया पूरी तरह बदल चुका है। ऐसे में चुनाव आयोग को भी समय के साथ अपने सिस्टम में बदलाव और नए प्रयोग करने होंगे। उम्मीदवारों की शिक्षा, आपराधिक रिकॉर्ड और संपत्ति सार्वजनिक करना बड़ा सुधार था, लेकिन अब जिन सीटों पर हार-जीत का अंतर बहुत कम होता है और सवाल उठते हैं, उनमें से कुछ का पोस्ट इलेक्शन ऑडिट होना चाहिए। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उसका वीडियो भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। SIR का विरोध नहीं था, आपत्ति सिर्फ उसकी टाइमिंग और प्रक्रिया को लेकर थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ भानु प्रताप सिंह ने कहा कि वोटर एजुकेशन सिर्फ चुनाव के समय तक सीमित नहीं रहना चाहिए। वहीं फर्स्ट इंडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने फेक न्यूज और ईवीएम से जुड़ी गलतफहमियां दूर करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर वेरिफाइड जानकारी बढ़ाने की जरूरत बताई।

• 25 करोड़ स्टूडेंट्स तक पहुंचेगा ELC 2.0... टोंक की जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने बताया कि ELC 2.0 के तहत कक्षा 9 से 12 तक के करीब 25 करोड़ स्टूडेंट्स को चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ा जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों और स्टूडेंट्स को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में एआई से बने फोटो-वीडियो, फेक न्यूज और पेड न्यूज को चुनाव की बड़ी चुनौतियां बताया गया।

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर मंथन

जयपुर, 15 जुलाई। लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सहभागी और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट , नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से बुधवार को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन = स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन का सफल आयोजन किया गया।

इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत सहित जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निर्वाचन अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मीडिया की बदलती भूमिका, मतदाता शिक्षा, डिजिटल संचार, फेक न्यूज से मुकाबला और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनविश्वास को सुदृढ़ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक

(मीडिया) श्री आशीष गोयल ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता और जिम्मेदार मीडिया दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग अब इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (श्रश्ह) को देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान के रूप में विस्तार देगा। इसके तहत देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर देशभर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1,000 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक और सक्रिय मतदाताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, नागरिकों में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा भ्रामक सूचनाओं के प्रभाव को कम करने का एक प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने पारदर्शी, विश्वसनीय और सहभागी निर्वाचन व्यवस्था के लिए मीडिया और निर्वाचन संस्थाओं के बीच सतत समन्वय एवं संवाद को और मजबूत करने पर बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि आज मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, मतदाताओं को जागरूक बनाने और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मीडिया की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है तथा तथ्य आधारित और निष्पक्ष चुनावी रिपोर्टिंग लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। पैनलिस्टों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी तंत्र चुनावी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पेड न्यूज़, दुष्प्रचार, फेक न्यूज़ तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित सामग्री की निगरानी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और प्रभावी नियामकीय व्यवस्था के माध्यम से निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकते हैं। पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव के बीच मतदाताओं को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

FIRST INDIA

16 Jul 2026

International Conference highlights media's crucial role in building an informed electorate

Voices For Democracy

PANKAJ SHARMA

Pawan Arora speaks on strengthening voter awareness and countering misinformation during the panel discussion, while Dr Prashant Bhadu, LP Pant and Bhanu Pratap Singh listen keenly

(L-R) Dr Renu Poonia, IAS Tina Dabi, Dr Manish Jain & Dr Aastha Saxena, during the international conference

City First
cityfirst@firstindia.co.in

(L-R) Naveen Mahajan, Ashish Goyal, Pawan Arora and LP Pant

In a significant step towards fostering informed electoral participation and reinforcing democratic institutions, the Office of the Chief Electoral Officer (CEO), Rajasthan, in collaboration with the India International Institute of Democracy and Election Management (IIIDEM), New Delhi, and the National Law University (NLU), Jodhpur, organised the International Conference on "Elections, Media and Voter Education: Strengthening Democracy Through Informed Participation" at HCM Rajasthan Institute of Public Administration (RIPA), Jaipur, on Wednesday.

The conference brought together election management representatives, media leaders, academicians, researchers and officials from India, Georgia, Croatia, Uzbekistan, Nepal, the Philippines and Guyana to deliberate on media's evolving role in democracy, voter education, digital communication, misinformation and public trust in electoral systems.

Delivering the keynote address, Ashish Goyal, Director General (Media), Election Commission of India, announced that the Election Commission would establish Electoral Literacy Clubs (ELCs) in every school and college across the country. He said outstanding institutions and students promoting voter awareness would be recognised on National Voters' Day, while emphasising the Commission's growing focus on digital outreach and influencer-led communication to counter misinformation.

Naveen Mahajan, Chief Electoral Officer, Rajasthan, underscored that an informed electorate remains the foundation of a vibrant democracy. He observed that in the digital era, the media had evolved beyond information dissemination to become a vital instrument for strengthening democratic values, countering false narratives and building public confidence in the electoral process.

The first panel discussion, "Beyond Broadcasting: The Evolving Role of Media in Voter Education," featured Pawan Arora, CEO & Managing Editor, First India Media Group; LP Pant, National Editor, Dainik Bhaskar; and Bhanu Pratap Singh, Bureau Chief, The Times of India, with Dr Prashant Bhadu moderating the session.

Highlighting the need for sustained civic engagement, Pawan Arora asserted that voter awareness should never remain a one-time campaign but must continue throughout the year. He advocated greater use of reels, short-form videos and digital platforms to combat misinformation, proposed a dedicated professional social media cell within the Election Commission, reaffirmed confidence in the integrity of EVMs, and suggested personalised voter outreach, including birthday messages for first-time voters, to encourage democratic participation.

LP Pant stressed that the media's primary responsibility lies in scrutinising governance while ensuring fact-based election reporting. He called for greater clarity in electoral processes, timely communication by the Commission and reforms aimed at enhancing transparency and public confidence.

Bhanu Pratap Singh highlighted voter apathy in urban constituencies as a growing concern, noting that credible print journalism continues to play a crucial role in encouraging informed participation and strengthening electoral awareness.

The second panel discussion on "Media Certification and Monitoring: Promoting Transparency, Equity and Public Trust" featured IAS Tina Dabi, District Election Officer, Tonk; Dr Manish Jain, PRO, Nagaur; and Dr Aastha Saxena, Associate Professor, Poornima University, moderated by Dr Renu Poonia, Media Nodal Officer. The panellists emphasised robust media monitoring, combating fake news, regulating paid news and strengthening digital literacy to preserve electoral integrity.

LP Pant addressing the gathering

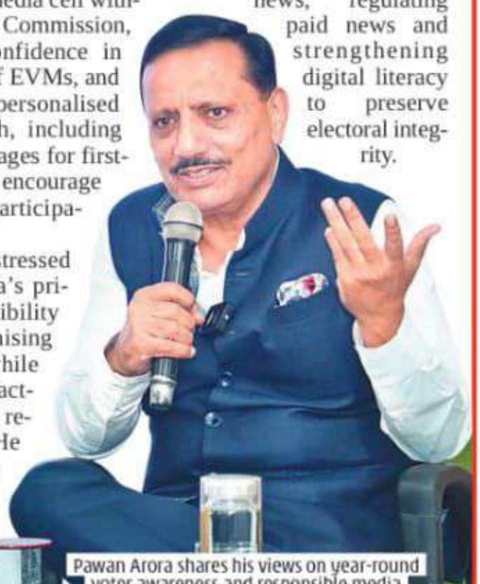

Pawan Arora shares his views on year-round voter awareness and responsible media during a panel discussion

FIRST INDIA

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
अब फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

16 Jul 2026

रीपा में जुटे देश-विदेश के चुनाव विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि और शिक्षाविद

देशभर के शिक्षण संस्थानों में शुरू होंगे इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स: गोयल

बेधड़क | जयपुर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), राजस्थान कार्यालय ने इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू), जोधपुर के सहयोग से बुधवार को रीपा में 'चुनाव, मीडिया और मतदाता शिक्षाः जागरूक भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाना' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में भारत, जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना से निर्वाचन प्रबंधन से जुड़े प्रतिनिधियों, मीडिया जगत के व्यक्तियों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य वक्तव्य देते हुए भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) आशीष गोयल ने कहा कि देश के प्रत्येक स्कूल और कॉलेज में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स स्थापित किए जाएंगे। मतदाता जागरूकता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए निर्वाचन आयोग डिजिटल आउटरीच और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का अधिक उपयोग करेगा।

नवीन महाजन, आशीष गोयल, पवन अरोड़ा और एलपी पंत (बाएं से)।

सत्र को संबोधित करते एलपी पंत।

युवाओं तक पहुंचने के लिए डिजिटल माध्यम अपनाएं: पवन अरोड़ा

सम्मेलन के पहले पैनल सत्र 'ब्रॉडकास्टिंग से आगे: मतदाता शिक्षा में मीडिया की बदलती भूमिका' में फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने कहा कि मतदाता जागरूकता केवल चुनाव के समय चलाया जाने वाला अभियान नहीं, बल्कि पूरे वर्ष जारी रहने वाली सतत प्रक्रिया होनी चाहिए। सत्र का संचालन डॉ. प्रशांत भाडू ने किया, जबकि दैनिक भास्कर के नेशनल एडिटर एलपी पंत और द टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ भानु प्रताप सिंह भी पैनलिस्ट रहे। पवन अरोड़ा ने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर ही मतदाता जागरूकता शुरू करने की सोच बदलनी होगी। भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों का मुकाबला करने के लिए रील्स, शॉर्ट वीडियो और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने ईवीएम की विश्वसनीयता पर भरोसा जताते हुए कहा कि इसमें छेड़छाड़ संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को जोड़ने के लिए जन्मदिन पर निर्वाचन आयोग की ओर से विशेष एप विकसित कर संदेश भेजने जैसे नवाचार करने होंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा यूथ जुड़ सकें। पवन अरोड़ा ने कहा कि चुनाव के दौरान मीडिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी संतुलित, निष्पक्ष और तथ्यपरक रिपोर्टिंग करना है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले और सबसे विश्वसनीय समाचार देना आज मीडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तथ्यों को छिपाने की गुंजाइश बहुत कम होती है, जबकि प्रिंट मीडिया में खबरों की प्रस्तुति का अपना महत्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेड न्यूज किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन प्रचारात्मक (प्रमोशनल) समाचार और पेड न्यूज दोनों अलग-अलग विषय हैं। उनके अनुसार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इस तरह की समस्याएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलती हैं।

सत्र के दौरान चर्चा करते पवन अरोड़ा।

सुशासन की समीक्षा मीडिया की प्राथमिक जिम्मेदारी: एलपी पंत

एलपी पंत ने कहा कि मीडिया की प्राथमिक जिम्मेदारी सुशासन की समीक्षा करना है। साथ ही तथ्य-आधारित चुनावी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने चुनावी प्रक्रियाओं में अधिक स्पष्टता, आयोग की ओर से समयबद्ध संवाद तथा पारदर्शिता और जनविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। भानु प्रताप सिंह ने शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की उदासीनता को बढ़ती चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय प्रिंट पत्रकारिता आज भी जागरूक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और चुनावी जागरूकता को सुदृढ़ करने में भूमिका निभा रही है।

पैनल चर्चा के दौरान पवन अरोड़ा ने मतदाता जागरूकता बढ़ाने और भ्रामक सूचनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की आवश्यकता पर विचार रखे। इस दौरान डॉ. प्रशांत भाडू, एलपी पंत और भानु प्रताप सिंह ध्यानपूर्वक उन्हें सुनते हुए।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान (बाएं से) डॉ. रेनू पूनिया, आईएएस टीना डाबी, डॉ. मनीष जैन और डॉ. आस्था सक्सेना।

सभी फोटो: पंकज शर्मा

जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि जागरूक मतदाता ही एक सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है। डिजिटल युग में मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने, झूठे आख्यानों का मुकाबला करने और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने का माध्यम बन गया है।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प

दूसरे पैनल सत्र 'मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग: पारदर्शिता, समानता और जनविश्वास को बढ़ावा' में आईएएस टीना डाबी, डॉ. मनीष जैन और डॉ. आस्था सक्सेना ने चुनावी प्रक्रिया में प्रभावी मीडिया मॉनिटरिंग, फेक न्यूज पर रोक, पेड न्यूज के नियमन और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर जोर दिया। सत्र का संचालन डॉ. रेणु पूनिया ने किया। सम्मेलन का समापन लोकतंत्र को मजबूत बनाने के साझा संकल्प के साथ हुआ।

निर्वाचन विभाग के अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में चुनावी पारदर्शिता पर मंथन

सबसिटी सुपरफास्ट

शलारूख जोया/जयपुर। नागौर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (ढ्ढढ्ढष्ठश्वरू), नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से जयपुर में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन = स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन का आयोजन हुआ। भारत सहित सात देशों के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और निर्वाचन अधिकारियों ने लोकतंत्र, मीडिया और मतदाता शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जिम्मेदार और विश्वसनीय मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया आशीष गोयल ने देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित करने की घोषणा करते हुए जागरूक मतदाता निर्माण को लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। सम्मेलन के दूसरे तकनीकी सत्र में नागौर के जिला जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष जैन ने विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में भाग लेते हुए चुनावी पारदर्शिता और जनविश्वास बनाए रखने में मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग तंत्र की भूमिका पर अपने विचार रखे। डॉ. जैन ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पेड न्यूज़, दुष्प्रचार और सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सामग्री की प्रभावी निगरानी निष्पक्ष एवं विश्वसनीय चुनाव के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, तथ्यपरक सूचना और सुदृढ़ मॉनिटरिंग व्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने निर्वाचन प्रबंधन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय को समय की आवश्यकता बताया। इस पैनल चर्चा में टोंक की जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती टीना डाबी एवं पूर्णिमा विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आस्था सक्सेना ने भी अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन मीडिया नोडल अधिकारी डॉ. रेणु पूनिया ने किया। सम्मेलन में जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं निर्वाचन संचार, समावेशी मतदाता शिक्षा, डिजिटल मीडिया के प्रभाव और फेक न्यूज़ से निपटने के अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने लोकतंत्र को अधिक सहभागी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रभावी मतदाता शिक्षा, जिम्मेदार मीडिया और संस्थागत समन्वय पर विशेष बल दिया ।

दैनिक भास्कर

नागौर भास्कर 16-07-2026

सम्मेलन में चुनावी पारदर्शिता पर चर्चा की

नागौर। जयपुर में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर भारत निर्वाचन आयोग के अंतर्गत आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से चुनाव, मीडिया और मतदाता शिक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें भारत सहित सात देशों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने पारदर्शी चुनाव और सूचित भागीदारी पर विचार साझा किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में जिम्मेदार व विश्वसनीय मीडिया की भूमिका अहम है। भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) आशीष गोयल ने स्कूलों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित करने की घोषणा की।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में चुनावी पारदर्शिता पर मंथन, नागौर पीआरओ डॉ. मनीष जैन ने साझा किए अनुभव

नागौर,(हुक्मनामा समाचार)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर जयपुर में 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन' का आयोजन किया गया। भारत सहित सात देशों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने लोकतंत्र, मीडिया और मतदाता शिक्षा पर विचार साझा किए। सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने जिम्मेदार मीडिया की भूमिका को अहम बताया, वहीं भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) आशीष गोयल ने हर विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित करने की घोषणा की। तकनीकी सत्र में नागौर के जिला जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष जैन ने विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। उन्होंने चुनावी पारदर्शिता के लिए पेड न्यूज, दुष्प्रचार और सोशल मीडिया की प्रभावी निगरानी को जरूरी बताया। इस सत्र में टोंक की जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने भी विचार रखे। सम्मेलन में जॉर्जिया, क्रोएशिया और नेपाल सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने फेक न्यूज से निपटने के अनुभव साझा किए।

मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग पर नागौर के पीआरओ मनीष जैन ने साझा किए अनुभव

(नगर संवाददाता)

जयपुर/नागौर, 15 जुलाई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट, नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से जयपुर में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन का आयोजन हुआ।

भारत सहित सात देशों के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और निर्वाचन अधिकारियों ने लोकतंत्र, मीडिया और मतदाता शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जिम्मेदार और विश्वसनीय मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक मीडिया आशीष गोयल ने देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित करने की घोषणा करते हुए जागरूक मतदाता निर्माण को लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। सम्मेलन के दूसरे तकनीकी सत्र में नागौर के जिला जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष जैन ने विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में भाग लेते हुए चुनावी पारदर्शिता और जनविश्वास बनाए रखने में मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग तंत्र की भूमिका पर अपने विचार रखे। डॉ. जैन ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पेड न्यूज़, दुष्प्रचार और सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सामग्री की प्रभावी निगरानी निष्पक्ष एवं विश्वसनीय चुनाव के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, तथ्यपरक सूचना और सुदृढ़ मॉनिटरिंग व्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने निर्वाचन प्रबंधन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय की समय की आवश्यकता बताया। इस पैनल चर्चा में टोंक की जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी एवं पूर्णिमा विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आस्था सक्सेना ने भी अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन मीडिया नोडल अधिकारी डॉ. रेणु पूनिया ने किया। सम्मेलन में जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं निर्वाचन संचार, समावेशी मतदाता शिक्षा, डिजिटल मीडिया के प्रभाव और फेक न्यूज़ से निपटने के अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने लोकतंत्र को अधिक सहभागी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रभावी मतदाता शिक्षा, जिम्मेदार मीडिया और संस्थागत समन्वय पर विशेष बल दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सतोष शर्मा के लिए संस्था ज्योति दर्शन प्रिंटर्स, डी.एस. टॉवर, ३-ए विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जे.एल.एन. मार्ग जयपुर से मुद्रित व राजकीय आवास
सम्पादक : महेन्द्र कुमार शर्मा। फोन : 2709182-3, फैक्स : 0141-2709275, आवास कार्यालय : वैशालीनगर, आवास संपादक चंद्रकला

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया और मतदाता शिक्षा की भूमिका पर वैश्विक मंथन

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया की भूमिका अहमःनवीन महाजन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर जयपुर में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

देश के हर स्कूल में होंगे इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब — आशीष गोयल

7 देशों के निर्वाचन प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने साझा किए अनुभव

मरुलहर न्यूज

जयपुर/बालोतरा। लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सहभागी और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से बुधवार को ‘इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन : स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन’ का सफल आयोजन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत, जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज़्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निर्वाचन अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मीडिया की बदलती भूमिका, मतदाता शिक्षा, डिजिटल संचार, फेक न्यूज से मुकाबला और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनविश्वास को सुदृढ़ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) श्री आशीष गोयल ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता और जिम्मेदार मीडिया दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग अब इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) को देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान के रूप में विस्तार देगा। इसके तहत देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर देशभर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1,000 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक और सक्रिय मतदाताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, नागरिकों में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा भ्रामक सूचनाओं के

प्रभाव को कम करने का एक प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने पारदर्शी, विश्वसनीय और सहभागी निर्वाचन व्यवस्था के लिए मीडिया और निर्वाचन संस्थाओं के बीच सतत समन्वय एवं संवाद को और मजबूत करने पर बल दिया।

पहला पैनल : मतदाता शिक्षा में मीडिया की बदलती भूमिका पर चर्चा–

सम्मेलन के प्रथम पैनल डिस्कशन का विषय "बियोंड ब्रॉडकास्टिंग: द इवोल्विंग रोल ऑफ मीडिया इन वोटर एजुकेशन" रहा। इस सत्र में दैनिक भास्कर के राष्ट्रीय संपादक श्री एल. पी. पंत, फर्स्ट इंडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर श्री पवन अरोड़ा तथा टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख श्री भानु प्रताप सिंह ने अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन डॉ. प्रशांत भादू ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आज मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, मतदाताओं को जागरूक बनाने और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मीडिया की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है तथा तथ्य आधारित और निष्पक्ष चुनावी रिपोर्टिंग लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करती है।

दूसरा पैनल : मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी की भूमिका पर मंथन–

दूसरे पैनल डिस्कशन का विषय ‘मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग: प्रमोटिंग ट्रांसपेरेंसी, इक्विटी एंड पब्लिक ट्रस्ट" रहा। इस सत्र में श्रीमती टीना डाबी (जिला निर्वाचन अधिकारी, टोंक), डॉ. मनीष जैन (पीआरओ, नागौर) तथा डॉ. आस्था सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, पूर्णिमा विश्वविद्यालय ने सहभागिता की। सत्र का संचालन मीडिया नोडल ऑफिसर डॉ. रेणु पूनिया ने किया। पैनलिस्टों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी तंत्र चुनावी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पेड न्यूज, दुष्प्रचार, फेक न्यूज तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित सामग्री की निगरानी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और प्रभावी नियामकीय व्यवस्था के माध्यम से निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

दुष्प्रचार से निपटने और समावेशी मतदाता शिक्षा पर दिया जोर–

पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव के बीच मतदाताओं को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विशेष रूप से युवाओं, प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक प्रभावी मतदाता शिक्षा पहुंचाने के लिए मीडिया, निर्वाचन प्राधिकरणों, शिक्षण संस्थानों और नागरिक समाज के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। सम्मेलन में देश-विदेश के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने लोकतंत्र को और अधिक सहभागी, पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाने के लिए अपने अनुभव साझा किए। कॉन्फ्रेंस के तकनीकी सत्रों में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं निर्वाचन संचार, समावेशी मतदाता शिक्षा, डिजिटल मीडिया के प्रभाव, फेक न्यूज से निपटने की रणनीतियों तथा निर्वाचन प्रक्रिया में जनविश्वास बढ़ाने के अपने-अपने देशों के अनुभव साझा किए।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया और मतदाता शिक्षा की भूमिका पर वैश्विक मंथन

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया की भूमिका अहम : नवीन महाजन

देश के हर स्कूल में होंगे इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब : आशीष गोयल

7 देशों के निर्वाचन प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने साझा किए अनुभव

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर जयपुर में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

मरू मंच न्यूज

जयपुर/बालोतरा। लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सहभागी और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से बुधवार को इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन "स्ट्रैंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन का सफल आयोजन किया गया।

इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत, जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निर्वाचन अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मीडिया की बदलती भूमिका, मतदाता शिक्षा, डिजिटल संचार, फेक न्यूज से मुकाबला और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनविश्वास को सुदृढ़ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) श्री आशीष गोयल ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता और जिम्मेदार मीडिया दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग अब इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) को देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान के रूप में विस्तार देगा। इसके तहत देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर देशभर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1,000 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक और सक्रिय मतदाताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, नागरिकों में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा भ्रामक सूचनाओं के प्रभाव को कम करने का एक प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने पारदर्शी, विश्वसनीय और सहभागी निर्वाचन व्यवस्था के लिए मीडिया और निर्वाचन संस्थाओं के बीच सतत समन्वय एवं संवाद को और मजबूत करने पर बल दिया।

पहला पैनल "मतदाता शिक्षा में मीडिया की बदलती भूमिका पर चर्चा—

सम्मेलन के प्रथम पैनल डिस्कशन का विषय "बियोंड ब्रॉडकास्टिंग: द इवॉल्विंग रोल ऑफ मीडिया इन वोटर एजुकेशन" रहा। इस सत्र में दैनिक भास्कर के राष्ट्रीय संपादक श्री एल. पी. पंत, फर्स्ट इंडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर श्री पवन अरोड़ा तथा टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख श्री भानु प्रताप सिंह ने अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन डॉ. प्रशांत भट्ट ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आज मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, मतदाताओं को जागरूक बनाने और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मीडिया की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है तथा तथ्य आधारित और निष्पक्ष चुनावी रिपोर्टिंग लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करती है।

दूसरा पैनल "मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी की भूमिका पर मंथन—

दूसरे पैनल डिस्कशन का विषय "मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग: प्रमोटिंग ट्रांसपेरेंसी, इक्विटी एंड पब्लिक ट्रस्ट" रहा। इस सत्र में श्रीमती टीना डाबी (जिला निर्वाचन अधिकारी, टोंक), डॉ. मनीष जैन (पीआरओ, नागौर) तथा डॉ. आस्था सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, पूर्णिमा विश्वविद्यालय ने सहभागिता की। सत्र का संचालन मीडिया नोडल अधिकारी डॉ. रेणु पूनिया ने किया। पैनलिस्टों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी तंत्र चुनावी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पेड न्यूज, दुष्प्रचार, फेक न्यूज तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित सामग्री की निगरानी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और प्रभावी नियामकीय व्यवस्था के माध्यम से निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

दुष्प्रचार से निपटने और समावेशी मतदाता शिक्षा पर दिया जोर—

पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव के बीच मतदाताओं को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विशेष रूप से युवाओं, प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दुर्गम क्षेत्रों के नागरिकों तक प्रभावी मतदाता शिक्षा पहुंचाने के लिए मीडिया, निर्वाचन प्राधिकरणों, शिक्षण संस्थानों और नागरिक समाज के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। सम्मेलन में देश-विदेश के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने लोकतंत्र को और अधिक सहभागी, पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाने के लिए अपने अनुभव साझा किए। कॉन्फ्रेंस के तकनीकी सत्रों में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं निर्वाचन संचार, समावेशी मतदाता शिक्षा, डिजिटल मीडिया के प्रभाव, फेक न्यूज से निपटने की रणनीतियों तथा निर्वाचन प्रक्रिया में जनविश्वास बढ़ाने के अपने-अपने देशों के अनुभव साझा किए। विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने नवाचार आधारित पहलों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं का प्रस्तुतीकरण किया। विचार-विमर्श के दौरान इस बात पर व्यापक सहमति व्यक्त की गई कि प्रभावी मतदाता शिक्षा, जिम्मेदार मीडिया, डिजिटल साक्षरता और संस्थागत समन्वय ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला हैं। सम्मेलन में प्राप्त सुझावों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं का संकलन भविष्य में निर्वाचन जागरूकता कार्यक्रमों तथा मतदाता शिक्षा अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज के रूप में तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। मीडिया नोडल अधिकारी डॉ. पूनिया ने सम्मेलन की विषय-वस्तु का परिचय देते हुए मीडिया आधारित मतदाता शिक्षा की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पूनिया ने सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का समापन लोकतांत्रिक सहभागिता को और अधिक सशक्त एवं समावेशी बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया और मतदाता शिक्षा की भूमिका पर वैश्विक मंथन

दिव्य पंचायत न्यूज़ नेटवर्क

7 देशों के निर्वाचन प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने साझा किए अनुभव

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की पहल पर जयपुर में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

जयपुर/बालोतरा। लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सहभागी और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से बुधवार को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन ־ स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन का सफल आयोजन किया गया।

इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत, जॉर्जिया, क्रोएशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, फिलीपींस और गुयाना के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निर्वाचन अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मीडिया की बदलती भूमिका, मतदाता शिक्षा, डिजिटल संचार, फेक न्यूज से मुकाबला और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनविश्वास को सुदृढ़ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया।

निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) श्री आशीष गोयल ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता और जिम्मेदार मीडिया दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग अब इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) को देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान के रूप में विस्तार देगा। इसके तहत देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर देशभर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1,000 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक और सक्रिय मतदाताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, नागरिकों में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा भ्रामक सूचनाओं के प्रभाव को कम करने का एक प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने पारदर्शी, विश्वसनीय और सहभागी निर्वाचन व्यवस्था के लिए मीडिया और निर्वाचन संस्थाओं के बीच सतत समन्वय एवं संवाद को और मजबूत करने पर बल दिया।

मतदाता शिक्षा में मीडिया की बदलती भूमिका पर चर्चा

सम्मेलन के प्रथम पैनल डिस्कशन का विषय बियोंड ब्रॉडकास्टिंग־ द इवोल्विंग रोल ऑफ मीडिया इन वोटर एजुकेशन रहा। इस सत्र में दैनिक भास्कर के राष्ट्रीय संपादक श्री एल. पी. पंत, फर्स्ट इंडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर श्री पवन अरोड़ा तथा टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख श्री भानु प्रताप सिंह ने अपने विचार साझा किए। सत्र का संचालन डॉ. प्रशांत भादू ने किया।

वक्ताओं ने कहा कि आज मीडिया केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, मतदाताओं को जागरूक बनाने और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मीडिया की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है तथा तथ्य आधारित और निष्पक्ष चुनावी रिपोर्टिंग लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करती है।

दूसरा पैनल ־ मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी की भूमिका पर मंथन—

दूसरे पैनल डिस्कशन का विषय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग־ प्रमोटिंग ट्रांसपेरेंसी, इक्विटी एंड पब्लिक ट्रस्ट रहा। इस सत्र में श्रीमती टीना डाबी (जिला निर्वाचन अधिकारी, टोंक), डॉ. मनीष जैन (पीआरओ, नागौर) तथा डॉ. आस्था सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, पूर्णिमा विश्वविद्यालय ने सहभागिता की। सत्र का संचालन मीडिया नोडल ऑफिसर डॉ. रेणु पूनिया ने किया। पैनलिस्टों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी तंत्र चुनावी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पेड न्यूज़, दुष्प्रचार, फेक न्यूज़ तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित सामग्री की निगरानी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और प्रभावी नियामकीय व्यवस्था के माध्यम से निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

दुष्प्रचार से निपटने और समावेशी मतदाता शिक्षा पर दिया जोर

पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव के बीच मतदाताओं को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विशेष रूप से युवाओं, प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक प्रभावी मतदाता शिक्षा पहुंचाने के लिए मीडिया, निर्वाचन प्राधिकरणों, शिक्षण संस्थानों और नागरिक समाज के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

सम्मेलन में देश-विदेश के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने लोकतंत्र को और अधिक सहभागी, पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाने के लिए अपने अनुभव साझा किए। कॉनफ्रेंस के तकनीकी सत्रों में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं निर्वाचन संचार, समावेशी मतदाता शिक्षा, डिजिटल मीडिया के प्रभाव, फेक न्यूज से निपटने की रणनीतियों तथा निर्वाचन प्रक्रिया में जनविश्वास बढ़ाने के अपने-अपने देशों के अनुभव साझा किए। विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने नवाचार आधारित पहलों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं का प्रस्तुतीकरण किया। विचार-विमर्श के दौरान इस बात पर व्यापक सहमति व्यक्त की गई कि प्रभावी मतदाता शिक्षा, जिम्मेदार मीडिया, डिजिटल साक्षरता और संस्थागत समन्वय ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला हैं। सम्मेलन में प्राप्त सुझावों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं का संकलन भविष्य में निर्वाचन जागरूकता कार्यक्रमों तथा मतदाता शिक्षा अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज के रूप में तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। मीडिया नोडल अधिकारी डॉ. पूनिया ने सम्मेलन की विषय-वस्तु का परिचय देते हुए मीडिया आधारित मतदाता शिक्षा की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पूनिया ने सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का समापन लोकतांत्रिक सहभागिता को और अधिक सशक्त एवं समावेशी बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।